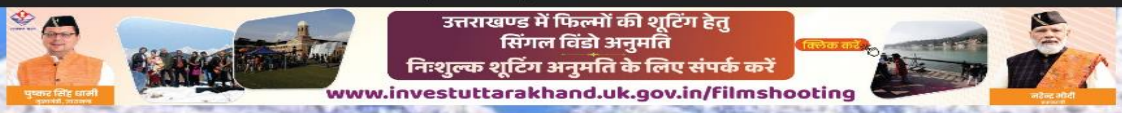

भाकृअनुप-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान द्वारा ड्रोन पायलट प्रशिक्षण केंद्र और सूचना एवं बिक्री काउंटर का उद्घाटन

देहरादून (हि. डिस्कवर)

भाकृअनुप-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान व अनुसंधान प्रक्षेत्र द्वारा उत्तराखंड में ड्रोन पायलट प्रशिक्षण केंद्र और सूचना एवं बिक्री काउंटर का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया। इस दौरान डॉ. सुरेश कुमार चौधरी, उप महानिदेशक (एनआरएम), आईसीएआर, नई दिल्ली ने सेलाकुई अनुसंधान फार्म में ड्रोन पायलट प्रशिक्षण केंद्र, प्रशिक्षण छात्रावास, आईआईएसडब्ल्यूसी के बिक्री-सह-सूचना काउंटर सहित कई सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का उद्घाटन भी किया।

इस अवसर पर डॉ. सुरेश कुमार ने अपने अभिभाषण में कृषि में क्रांति लाने, रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में ड्रोन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि ड्रोन के उपयोग से ऊबड़-खाबड़ इलाके, जनशक्ति की कमी और संसाधनों के प्रभावी उपयोग की समस्याओं का समाधान हो सकता है।

डॉ महेंद्र कुमार वर्मा, निदेशक, आईसीएआर-सीआईटीएच, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) द्वारा भाकृअनुप-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान में ड्रोन प्रशिक्षण की विशिष्टता पर बात की, जो हिमालयी राज्यों के लोगों की प्रशिक्षण की जरूरत को पूरा करेगा। उन्होंने बिक्री सह सूचना केंद्र के उद्घाटन की भी सराहना की, जो सीआईटीएच सहित अन्य आईसीएआर संस्थान के पास उपलब्ध उपज और जानकारी प्रदान करेगा।

डॉ लक्ष्मी कांत, निदेशक, आईसीएआर-वीपीकेएएस ने पहाड़ी कृषि पर अपने और अपने संस्थान के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि यह नई तकनीकी पहाड़ी क्षेत्रों में की जाने वाली कृषि के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे संस्थान के निदेशक डॉ एम मधु ने कहा कि कि ड्रोनियर एविएशन, नई दिल्ली के सहयोग से ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र अपने आप में अनूठा है, जिसका उद्देश्य कृषि उपयोग, सर्वेक्षण, स्प्रे और क्षेत्र के प्रबंधन के लिए है। उन्होंने बताया कि यह पूरे आईसीएआर संस्थानों में अपनी तरह का पहला है। वहीं आर.एस. सिंह, सीईओ, ड्रोनियर एविएशन ने ड्रोन पायलट प्रशिक्षण के महत्व पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण और लाइसेंस के बिना हमारे देश में किसी को भी ड्रोन उड़ाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने बताया कि आईआईएसडब्ल्यूसी में ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र को नागरिक उड्डयन महानिदेशक (डीजीसीए) की टीम ने बहुत सराहा है, जबकि प्रशिक्षण के लिए सभी आवश्यक उपकरण उपलब्ध होने के कारण इसे स्वीकृति दी गई है।

इससे पहले ओआईसी रिसर्च फार्म डॉ. एम शंकर ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और फील्ड विजिट और प्रदर्शन किया। आपको बता दें कि प्रशिक्षण केंद्र प्रशिक्षित पायलटों के लिए सुरक्षा, जोखिम प्रबंधन, नियामक मानकों के अनुपालन, कौशल बढ़ाने, मरम्मत और रखरखाव और रोजगार में सहायता पर ध्यान केंद्रित करेगा। कृषि, बुनियादी ढांचे और आपदा प्रबंधन क्षेत्रों में ड्रोन पायलटों की बढ़ती मांग के साथ, यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर पैदा करेगी। ड्रोन पायलट प्रशिक्षण केंद्र व्यक्तियों को इन उन्नत तकनीकों को संचालित करने के कौशल से लैस करेगा, जिससे आधुनिक कृषि के लिए महत्वपूर्ण कुशल ड्रोन पायलटों की एक नई पीढ़ी तैयार होगी। प्रौद्योगिकी-संचालित खेती में यह बदलाव कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देगा और किसानों को संसाधन प्रबंधन के लिए कुशल उपकरणों से सशक्त करेगा। ड्रोन लक्षित छिड़काव के माध्यम से पानी और कीटनाशकों के उपयोग को कम करते हैं, जो बदले में पर्यावरणीय नुकसान को कम करके स्थायी कृषि प्रथाओं का समर्थन करता है।

एक-आईसीएआर पहल के तहत नवनिर्मित सूचना और बिक्री काउंटर को पहले ही किसानों और हितधारकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। सूचना केंद्र एक ज्ञान केंद्र के रूप में काम करेगा, जो आधुनिक कृषि तकनीकों पर विशेषज्ञ सलाह और अपडेट प्रदान करेगा, इस प्रकार किसानों के लिए एक सहयोगी सीखने का माहौल तैयार करेगा।

प्रगतिशील किसान सुश्री दीपा तोमर ने जैविक खेती और उससे होने वाले लाभों के बारे में बात की। कार्यक्रम में 50 किसान, 20 उद्यमी, संबंधित विभागों के राज्य सरकार के अधिकारी, नाबार्ड, केवीके, डीकरानी, स्थानीय शिक्षाविद, आईआईएसडब्ल्यूसी के कर्मचारी और वैज्ञानिक, संस्थान के नियमित प्रशिक्षु, बीटेक छात्र, अन्य आईसीएआर संस्थान, आईआईएसडब्ल्यूसी के सेवानिवृत्त वैज्ञानिक और कर्मचारी शामिल हुए।

इस दौरान एक सूचना और बिक्री काउंटर का उद्घाटन किया गया। जहां किसान और हितधारक बीज, आधुनिक उपकरण और उपकरणों जैसे प्रमुख कृषि इनपुट तक पहुंच सकते हैं कार्यक्रम के दौरान, 2 शोध प्रकाशनों का विमोचन किया गया तथा संस्थान में प्रशिक्षण केंद्र और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में उनके योगदान के लिए वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के उपलक्ष्य में महिला किसानों ने लोक नृत्य प्रस्तुत किया। संस्थान की एससीएसपी योजना के तहत किसानों को उन्नत बीज और खेती किट प्रदान की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. पीआर ओजस्वी ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया।